● सुनो, पढ़ो और गाओ :

२. गुनगुनाते रहो

– *जगदीशचंद्र तिवारी*

जन्म : २२ नवंबर १९५०, अजमेर (राजस्थान) **रचनाएँ :** हारा नहीं हूँ मैं, हो रही है अब सहर **परिचय :** जगदीशचंद्र तिवारी जी गीतों और गजलों के सशक्त हस्ताक्षर हैं । विविध पत्र-पत्रिकाओं में उनके मुक्तक, कविताएँ, गीत, गजल, दोहे आदि नियमित प्रकाशित होते रहते हैं ।

प्रस्तुत कविता में कवि ने निराशा के क्षणों में भी आशा के दीप जलाए रखने के लिए हम सबको प्रेरित किया है ।

सुनो तो जरा

किसी अन्य भाषा की प्रभाती सुनो और कक्षा में साभिनय सुनाओ ।

5QET75

जब कभी आस की मन में बजे शहनाई तेरे
उस समय तू गीत सारे भोर के ही गुनगुनाना ।
मानता हूँ हर जगह पर
हर दिशा में है अँधेरा
और दीखे ही नहीं जब
नेह किरणों का बसेरा
नेह किरणों का यदि दीपक पड़े तुझको जलाना ।
उस समय तू गीत सारे भोर के ही गुनगुनाना ।।
नेह की ये गंध तेरी
राह की बाधा हरेगी
हर अँधेरी रात में ये
रोशनी फिर से भरेगी
गर अँधेरा छाए, दीप तू फिर से जलाना ।
उस समय तू गीत सारे भोर के ही गुनगुनाना ।।

❑ उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता प्रस्तुत करें । विद्यार्थियों से साभिनय अनुकरण पाठ, सामूहिक, गुट में एवं एकल पाठ कराएँ । प्रश्नोत्तर एवं चर्चा के माध्यम से कविता के भाव स्पष्ट करें । कविता के मुख्य भाव के बारे में पूछें ।

अध्ययन कौशल

सुनी हुई किसी कविता का पुनःस्मरण करते हुए आशय पर आधारित टिप्पणी बनाओ :

- रचयिता
- कविता का विषय
- मूल भाव

अब समय के साथ में
साथी तुझे चलना पड़ेगा
जीत का परचम तुझे
हर हाल में गढ़ना पड़ेगा
हारने का जब हो डर तब अपने अंतस को जगाना ।
उस समय तू गीत सारे भोर के ही गुनगुनाना ।।
गीत में स्वर-लय का गुंजन
भी तुझे भरना पड़ेगा
और नव छंदों को भी
उसमें तुझे जड़ना पड़ेगा
गीत में संवेदनामय भावों को होगा गाना ।
उस समय तू गीत साथी दर्द के भी गुनगुनाना ।।

❑ वर्णमाला को क्रम से बुलवाएँ और विशेष वर्णों के उच्चारण पर ध्यान दें । कविता में से मात्रावाले शब्द खोजवाकर लिखवाएँ और उनका वाक्य में प्रयोग करवाएँ । कविता से दस शब्द खोजवाकर उनके समानार्थी शब्द लिखवाएँ ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

आस = आशा
भोर = सुबह
नेह = स्नेह, प्रेम
बसेरा = निवास
परचम =झंडा, ध्वज
अंतस = अंतरात्मा/मन
गुंजन = आवाज, गूँज
दर्द = पीड़ा

विचार मंथन

।। मधुर वचन सौ क्रोध नसाई ।।

खोजबीन

भारतीय संविधान में उल्लेखित मौलिक अधिकार ज्ञात करो ।

इतिहास और नागरिक शास्त्र सातवीं कक्षा पृ. ७६

बताओ तो सही

निम्न शब्दों का प्रयोग कब करते हैं, बताओ । व्यवहार में इनका उपयोग करो :

- धन्यवाद
- कृपया
- क्षमा
- नमस्ते

वाचन जगत से

किसी सफल व्यक्ति की आत्मकथा का अंश पढ़ो और कक्षा में सुनाओ :

- परिचय
- प्रेरक प्रसंग
- सीख

मेरी कलम से

भोर होते ही होने वाले परिवर्तनों को अपने शब्दों में लिखो :

- अड़ोस-पड़ोस का वातावरण
- आकाश की स्थिति
- गृहिणियों के क्रियाकलाप
- बच्चों के व्यवहार

जरा सोचो ..... बताओ

तुम्हारे घर की वस्तुओं को वाणी होती तो .....

स्वयं अध्ययन

किसी अपठित पाठ्यांश का श्रुतलेखन एवं शुद्धलेखन करो, आपस में जाँचो ।

❊ **कविता के आधार पर भोर के गीत गुनगुगाने के अवसर लिखो :**

(क) ..... । (ग) ..... ।

(ख) ..... । (घ) ..... ।

सदैव ध्यान में रखो

दुख के बाद सुख आता है ।

भाषा की ओर

नीचे दिए गए शब्दों में से मूल शब्द, उपसर्ग एवं प्रत्यय अलग करके लिखो : **स्वदेशी, चिरकालीन, निरोगी, विस्मरणीय, असावधानी, अपमानित, सुसंस्कारित, विनम्रता, असफलता**